महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

गायन और वादन का अभ्यासक्रम

संगीत प्रारंभिक (पहला वर्ष)

समय: - 6 महिने (30 से 40 घंटे का प्रशिक्षण) **परीक्षा समय: - 10 मिनिट**

कुल अंक: - 50, **क्रियात्मक - 40 अंक,** **मौखिक शास्त्र - 10 अंक.**

<u>क्रियात्मक</u> - 40 अंक -

<u>राग ज्ञान</u> : - 1) राग संख्या - 4, भूपाली, दुर्गा, सारंग, देस.
2) प्रत्येक राग आरोह- अवरोह, पकड़ के साथ.
3) प्रत्येक राग में 1 - 1 बंदिश.
4) किसी भी 2 राग में स्वरमालिका.
5) किसी भी 1 राग में लक्षणगीत.
6) शुद्ध स्वरों के 4 अलंकार
अ) सासा,रेरे,गग,मम,पप,धध,निनि,सांसां. सांसां, निनि, धध, पप, मम, गग, रेरे, सासा. तीनताल में॰
आ) सारेग, रेगम,गमप, मपध, पधनि, धनिसां, निसारें, सारेंगं सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा, रेसानि॰, सानि॰ध॰, दादरा ताल में.
इ) सारेगग, रेगमम,गमपप, मपधध, पधनिनि, धनिसांसां, निसारेंरें, सारेंगंगं
सांनिधध, निधपप, धपमम, पमगग, मगरेरे, गरेसासा, रेसानि॰नि॰, सानि॰ध॰ध॰, तीनताल/कहरवा में.
ई) सारेगम, रेगमप,गमपध, मपधनि, पधनिसां, धनिसारें, निसारेंगं, सारेंगंमं
सांनिधप, निधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा, गरेसानि॰, रेसानि॰ध॰, सानि॰ध॰प॰ तीनताल /,कहरवा ताल में.

<u>ताल ज्ञान</u> : - तीनताल, कहरवा और दादरा ताल की **सामान्य जानकारी**.

<u>सुगम संगीत</u>: - 1) गुजराती गीत, लोकगीत, भजन, फिल्मीगीत, सुगमसंगीत (कोई भी 1).
2) राष्ट्रगीत - जनगणमन....

<u>शास्त्र (मौखिक)</u> - 10 अंक-

परिभाषिक शब्द: - आरोह, अवरोह, पकड़, नाद, घोंघाट, वादी, संवादी, बंदिश की स्थायी, बंदीश का अंतरा,

<u>उद्देश्य:</u> - 1) विध्यार्थी की गायन में रुचि उत्पन्न करना.
2) स्वरमालिका - राग में सरल बंदिश.
3) विध्यार्थी कौन से स्वर से गाता है उस की जानकारी देना.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

गायन और वादन का अभ्यासक्रम

संगीत परिचय (दूसरा वर्ष)

समय: - 6 महिने (60 से 70 घंटे का प्रशिक्षण) परीक्षा समय: - 15 मिनिट.

कुल अंक- 100, क्रियात्मक - 80 अंक, शास्त्र (मौखिक) - 20 अंक.

<u>क्रियात्मक</u> - 80 अंक.

<u>राग ज्ञान</u>: -1) राग संख्या - 4, खमाज, काफी, भीमपलासी, भैरवी.
प्रत्येक राग में 1 - 1 बंदिश - प्रारम्भिक के रागों में से किसी भी 2 और परिचय के रागों में से किसी भी 2 रागों में तालबद्ध - आलाप - तान की प्रस्तुति.

2) किसी भी 1 राग में लक्षणगीत

3) किसी भी 1 राग में स्वरमालिका.

4) प्रारम्भिक और परिचय के रागों के आरोह, अवरोह, पकड़, थाट, स्वर, वर्जितस्वर, वादी - संवादी और गाने के समय की जानकारी.

<u>स्वर ज्ञान</u>: - 1) ताल - लय के साथ अलंकार गाने की क्षमता.

अ) सासासा, रेरेरे, गगग, ममम, पपप, धधध, निनिनि, सांसांसां
सांसांसां, निनिनि, धधध, पपप, ममम, गगग, रेरेरे, सासासा दादरा ताल में॰

आ) सासारेग, रेरेगम, गगमप, ममपध, पपधनि, धधनिसां, निनिसांरें, सांसांरेंगं
सांसांनिध, निनिधप, धधपम, पपमग, ममगरे, गगरेसा, रेरेसानि॰, सासानि॰ध॰, तीनताल में

इ) सागरेसा, रेमगरे, गपमग, मधपम, पनिधप, धसांनिध, निरेंसांनि, सांगरेंसां
सांधनिसां, निपधनि, धमपध, पगमप, मरेगम, गसारेग, रेनि॰सारे, साध॰नि॰सा कहरवा / तीनताल ताल में.

2) बंदिश से राग पहचानने की क्षमता.

<u>ताल ज्ञान</u>: - 1) ताल - दादरा, कहरवा, तीनताल के बोल, मात्रा॰ खंड, सम, ताली, खाली की जानकारी.
2) कहरवा, तीनताल, दादरा के ठेके बोलने की क्षमता.

<u>सुगम संगीत</u>: - 1 राष्ट्रभक्ति गीत, 1 गुजराती गीत, 1 कविता गाने की क्षमता.

<u>शास्त्र (मौखिक)</u> - 20 अंक

पारिभाषिक व्याख्या: - संगीत, स्वर के प्रकार (शुद्ध, विकृत, कोमल,तीव्र), सप्तक और उस के प्रकार, राग की जाति, थाट, वादीस्वर, संवादी स्वर, अनुवादी स्वर, वर्जित स्वर, विवादी स्वर, ताल, लय. ठाय॰

<u>उद्देश्य:</u> - गुजराती सुगम संगीत - गरबा - लोक संगीत में रुचि उत्पन्न करना.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

गायन और वादन का अभ्यासक्रम

संगीत प्रवेश (तीसरा वर्ष)

समय: - 1 साल (80 से 100 घंटे का प्रशिक्षण) **परीक्षा समय: - 20 मिनिट.**

कुल अंक: - 200, **क्रियात्मक - 150 अंक,** **शास्त्र (मौखिक) - 50 अंक.**

<u>क्रियात्मक</u> - 150 अंक

<u>राग ज्ञान</u>: - 1) **राग संख्या - 7, यमन, बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, जौनपुरी या आसावरी, केदार, पटदीप**

क) उपरोक्त रागों की सम्पूर्ण माहिती जैसे की थाट, स्वर, वर्जित स्वर, वादी - संवादी स्वर, आरोह - अवरोह, पकड़, गाने का समय इत्यादि की जानकारी तथा गाने की क्षमता।

ख) उपरोक्त रागों में 1 -1 बंदिश।

ग) राग यमन, मालकौंस, बिहाग, बागेश्री में 1 - 1 बंदिश, मध्यलय की बंदिश आलाप - बोलतान - तान के साथ 7 - 10 मिनिट की प्रस्तुति की क्षमता.

घ) संगीत प्रवेश के रागो में से किसी भी 1 राग में लक्षणगीत.

ङ) द्रुत एकताल और झपताल की बंदिशे करनी होगी. उपरोकत रागों में से कोई भी एक राग में ध्रुपद चौताल ठाय लय में गाने की क्षमता।

<u>स्वर ज्ञान</u>: - 1) तानपूरे / हारमोनियम के सुर पर बंदिश गानेकी क्षमता.
2) रागों में लगने वाले कोमल, तीव्र तथा शुद्ध स्वरों की जानकारी।
3) आरोह - अवरोह को ध्यान में रखकर राग यमन और मालकौंस में प्रारम्भिक तथा परिचय के अलंकार गाने की क्षमता।
4) आकार गायन से राग पहचानने की क्षमता.

<u>ताल ज्ञान</u>: - झपताल, चौताल और द्रुत एकताल के खंड, मात्रा, बोल की जानकारी और ताल बोलने की क्षमता.

<u>सुगम संगीत</u>: - लोकगीत - रास गरबा - संस्कृत के श्लोक या हवेली संगीत के पद, भजन, फिल्मी संगीत, गजल, सुगम संगीत गाने के लिए उत्साहित करना.

<u>वाद्य ज्ञान</u>: - संवादिनी (हार्मोनियम) पर आरोह - अवरोह, अलंकार बजाने की क्षमता.

<u>शास्त्र (मौखिक)</u> - 50 अंक

पारिभाषिक शब्द: - लय के प्रकार, नाद, घोंघाट, विवादी स्वर, आवर्तन, थाट की समझ, आलाप-तान की समझ, बंदिश में सम - खाली, बंदिश की उठान के बारे में जानकारी,

<u>नोंध</u>:- 1) पिछले साल में से प्रश्न पूछे जा सकते है. 2) परीक्षा के वक्त इलेक्ट्रोनिक तानपुरा और तालवाद्य संगति में प्रयोग कर सकते है.

<u>उद्देश्य</u>:- विध्यार्थी कक्षा 10 वीं. या 12 वीं में संगीत विषय लेनेके लिए आकर्षित हो उस तरह तैयार करना.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
संगीत मध्यमा (चौथा वर्ष)

कुल अंक– 300. क्रियात्मक - 200 अंक, लेखित शास्त्र – 70 अंक.
समय: - 1 साल (80 से 100 घंटे का प्रशिक्षण)
नियत कार्य (Assignment) – 30 अंक.
क्रियात्मक परीक्षा समय: - 30 मिनिट. लेखित परीक्षा समय: - 2.30 घंटे.

क्रियात्मक - 200 अंक

राग ज्ञान: - राग संख्या 8 - अल्हैयाबिलावल, हमीर, तिलंग, भैरव, पीलु, बहार, तिलककामोद, देशकार.
उपरोक्त रागों में कम से कम 1 – 1 मध्यलय की बंदिश करना आवश्यक है° प्रत्येक राग की शास्त्र माहिती आरोह – अवरोह के साथ राग का पूर्वांग और उत्तरांग का चलन, पकड़ की जानकारी और गाकर बताने की क्षमता.

1) ऊपरोक्त रागों में से किसी भी 2 राग में **मुक्त** आलाप और मध्यलय के स्थायी – अंतरा में तालबद्ध आलाप – तान (तीनताल में) करने की क्षमता और 5 से 7 मिनिट स्वतंत्र प्रस्तुति की क्षमता. द्रुतलय में भी गाने की क्षमता.
2) ऊपरोक्त रागों में से किसी भी 1 राग में ध्रुपद और 1 रागमें धमार – ठाय और दुगुन मे गाने की क्षमता.
3) राग यमन या भूपाली और मालकौंस में बड़ाख्याल की बंदिश गाने की क्षमता और राग यमन या भूपाली में बड़ा और छोटा ख्याल आलाप – तान, बोलतान के साथ 15 मिनिट की प्रस्तुति की क्षमता.
4) ऊपरोक्त रागों में से किसी भी 1 राग में तराना.
5) रागों में श्रुतियों के प्रयोग की जानकारी.

स्वर ज्ञान: - 1) आकार में गाये गए 3 – 4 स्वर समूह को पहचानने की क्षमता.
2) आकार में गाये गए स्वर समूह से राग पहचानने की क्षमता°

ताल ज्ञान : - दीपचंदी, रूपक, धमार – इन तालों को हाथ से ताली देकर ठाय तथा दुगुन बोलने की, लिखने की क्षमता और इन सभी तालों की माहिती.

सुगम संगीत: - उपरोक्त राग आधारित फिल्मी गीत – गजल – गुजराती गीत, भजन या हवेली संगीत के पद तैयार करना. **(कोई भी एक).**

लेखित शास्त्र – 70 अंक

1) **पारिभाषिक शब्द** : - श्रुति, जनकमेल, जन्यराग, ग्रह, अंश, न्यास, दुगुन, तिगुण, आड़ लय, शुद्धराग, मींड़, गमक, कण / स्पर्श, बोलतान, बोलआलाप, सप्तक, राग की जाति, सप्तक का पूर्वांग –उत्तरांग, नाद की विशेषता, वर्ण, स्थायी, आरोही, अवरोही, संचारी, वाद्यो के प्रकार तथा पिछले साल के सभी पारिभाषिक शब्द.
2) **इस साल के किसी भी राग के** छोटाख्याल की बंदिश को ताल तथा स्वर में पं° भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध करने की क्षमता.
3) **जीवन चरित्र तथा कार्य:** - 1) पं. ओमकारनाथ ठाकुर 2) उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ
4) अभी तक के सभी रागों की जानकारी तथा समान स्वर वाले रागो की तुलना तथा रागों के बारे में प्रश्न पूछ सकते है.
5) लिखे हुए स्वर समूह से राग पहचान.
6) अभी तक के सभी तालों को लिपिबद्ध करने की क्षमता.

नियत कार्य (Assignment) – 30 अंक
नियत कार्य के विषय: - (किन्ही 03 विषय पर लिखना)

1) इस साल के रागों में से किन्ही 02 रागों की माहिती और मुक्त आलाप लिखना.
2) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में ध्रुपद या रजाखानी गत की ठाय पं° भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.

3) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में धमार की ठाय या रजाखानी गत (झपताल या रूपक या एकताल) पं॰ भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.
4) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में 2 आलाप और 2 तान तीनताल में लिखना.
5) समान स्वर वाले रागों का तुलनात्मक लेखन (राग भूपाली – देशकार, बागेश्री – भीमपलासी).
6) अभी तक सीखे तालों में से चौताल और धमार तालों की ठाय और दुगुन लिखना.
7) जीवन चरित्र तथा कार्य – किसी भी 01 कलाकार के - 1) पं. ओमकारनाथ ठाकुर 2) उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ.

नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड – 25 से 30 अंक.
बी ग्रेड – 20 से 24 अंक.
सी ग्रेड – 15 से 19 अंक.

सूचना: - 1) तानपूरे / इलेक्ट्रॉनिक तानपूरे पर गाने को तैयार करना.
2) अभी तक के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछे जा सकते है.
3) क्रियात्मक परीक्षा के वक्त आपने चुने हुए नियत कार्य के विषय में से प्रश्न पूछे जायेंगे.

उद्देश्य: - नोमतोम आलाप की समझ देना. दुगुन लयकारी का ज्ञान देना. कलाकारों के जीवन चरित्र उस तरह समझाना कि उससे विदयार्थी को प्रेरणा मिले.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
संगीत विशारद प्रथम (पांचवां वर्ष)

कुल अंक– 400. क्रियात्मक – 300 अंक. लेखित – 70 अंक.

समय: - 1 साल (100 से 120 घंटे का प्रशिक्षण), लेखित परीक्षा समय: - 2.30 घंटे.

नियत कार्य (Assignment) – 30 अंक. क्रियात्मक परीक्षा समय: - 40 मिनिट.

क्रियात्मक – 300 अंक

राग ज्ञान: - राग संख्या 8, जयजयवंती, दरबारीकानडा, अड़ाना, कालिंगड़ा, पूरियाधनाश्री, सोहनी, शंकरा, कामोद.

1) उपरोकत रागों में 1 -1 मध्यलय की बंदिश करना आवश्यक है. तीनताल के अतिरिक्त झपताल और द्रुत एकताल में भी बंदिश करना और उसमें सामान्य फिरत करना. रागों के शास्त्र की जानकारी.
2) राग बागेश्री, बिहाग, दरबारीकानडा, भैरव, मालकोंष (वैकल्पिक) - किसी भी 3 रागों में बड़ा ख्याल, छोटाख्याल में **मुक्त** तथा लयबद्ध आलाप, बोलआलाप, बोलतान, तान के साथ 15 से 20 मिनिट स्वतंत्र प्रस्तुति की क्षमता.
3) उपरोक्त रागों में से किसी भी 1 राग में धमार – ठाय और दुगुन के साथ, 1 राग में ध्रुपद दुगुन – तिगुण - चौगुण में गाने की क्षमता और नोम तोम आलाप की प्रस्तुति की समझ.
4) गायन प्रस्तुति में **मौलिक** आलाप - तान पर ज्यादा ध्यान देना. आलापचारीमें मींड़ – कण/स्पर्श स्वर को हर एक रागदारी में राग के नियमानुसार करने की क्षमता और उस पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा.
5) ऊपर दिये हुए रागोमेंसे किसी भी 1 राग में तराना.
6) रागों में श्रुतियों के प्रयोग की जानकारी.

स्वर ज्ञान: - आकार में गाए हुए स्वर समूह को तथा स्वर समूह पर से अभी तक के रागों की पहचान करना.

ताल ज्ञान: - तेवरा, सूलताल तथा तिलवाड़ा इन तालों को हाथ से ताली देकर ठाय तथा दुगुन बोलने की तथा लिखने की क्षमता एवं अभी तक के सभी तालों का ज्ञान.

लेखित शास्त्र – 70 अंक

1) अभी तक के अभ्यासक्रम में सीखे सभी रागो की पूर्ण जानकारी और तुलनात्मक अध्ययन.
2) झपताल – द्रुत एकताल की बंदिश लिपिबद्ध करने की क्षमता तथा बडाखयाल की बंदिश लिपिबद्ध करने की क्षमता. वाद्य के विध्यार्थी रजाखानी और मसीतखानी गत लिपिबद्ध करने की क्षमता **(पं॰ भातखण्डे लिपि में).**
3) स्वरसमूह से राग पहचानना.
4) मुक्त आलाप और तान निश्चित मात्रा में लिखने की क्षमता.
5) पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर लिपि का सामान्य ज्ञान.
6) अभी तक सीखे सभी पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान.
7) ध्वनि, ध्वनि की उत्पति कंपन, आंदोलन, आंदोलन संख्या, नाद की ऊंचाई – नीचाई का आंदोलन के साथ संबन्ध की जानकारी.
8) तानों के प्रकार (सरल तान, वक्रतान॰ बोलतान, आलंकारिक तान,कूटतान).
9) स्वर – संवाद: - षडज – षडज भाव, षडज – मध्यम भाव तथा षडज – पंचम भाव की जानकारी.
10) प्रबंध प्रकारों की जानकारी – बड़ा ख्याल – छोटाख्याल – धमार – ध्रुपद – ठुमरी – टप्पा – त्रिवट – तराना – चतरंग.
11) **जीवन चरित्र और कार्य :** - 1) पं. भीमसेन जोशी 2) पं. विश्वमोहन भट्ट 3) उस्ताद फ़ैयाज़ खाँ 4) उस्ताद अल्लाउददीन खाँ.
12) ग्वालियर घराने की जानकारी.
13) तानपूरे के बारें में जानकारी.

14) **संक्षिप्त नोंध :**–

1) मेरा प्रिय कलाकार 2) मुझे संगीत क्यूँ पसंद है. 3) विद्यालयों में संगीत का शिक्षण.

नियत कार्य (Assignment) – 30 अंक

नियत कार्य के विषय: - (किन्ही 03 विषय पर लिखना)

1) इस साल के रागों में से किन्ही 02 रागों की माहिती और मुक्त आलाप लिखना.
2) इस साल के रागों में से किन्ही 01 राग में ध्रुपद की ठाय या रजाखानी गत पं॰ भातखण्डेजी की पद्धति में लिपिबद्ध लिखना.
3) इस साल के रागों में से किन्ही 01 राग में धमार की ठाय या रजाखानी गत (झपताल या रूपक या एकताल) पं॰ भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.
4) इस साल के रागों में से किन्ही 01 राग में तीनताल में 16 मात्रा के 2 आलाप और 2 तान लिपिबद्ध लिखना.
5) समान स्वर वाले रागों का तुलनात्मक लेखन (दरबारीकानडा – अड़ाना, भैरव – कालिंगड़ा).
6) इस साल के सीखे तालों में से तेवरा और सूलताल तालों की ठाय और दुगुन लिखना.
7) जीवन चरित्र तथा कार्य – किसी भी 01 कलाकार के बारे में लिखना - 1) पं. भीमसेन जोशी 2) उ. फ़ैयाज़ खाँ 3) उस्ताद अल्लाउददीन खाँ 4) पं. विश्वमोहन भट्ट.

नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड – 25 से 30 अंक. बी ग्रेड – 20 से 24 अंक. सी ग्रेड – 15 से 19 अंक.

<u>सूचना</u>: - 1) तानपूरे / इलेक्ट्रॉनिक तानपूरे पर गाने की क्षमता.

2) अभी तक के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछे जा सकते है.

3) ध्रुपद – धमार की प्रस्तुति उस गायकी की विशिष्टता को ध्यान में रखकर विद्यार्थी को तैयार करने का प्रयत्न करना होगा.

4) क्रियात्मक परीक्षा के वक्त आपके चुने हुए नियत कार्य के विषय में से प्रश्न पूछे जा सकते है.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
संगीत विशारद द्वितीय (छठ्ठा वर्ष)

कुल अंक – 400. क्रियात्मक – 300 अंक. लेखित शास्त्र – 70 अंक.
समय: - 1 साल (100 से 120 घंटे का प्रशिक्षण) लेखित परीक्षा समय: - 2.30 घंटे.
नियत कार्य (Assignment) – 30 अंक. क्रियात्मक परीक्षा समय: - 50 मिनिट.

<u>क्रियात्मक</u> – 300 अंक

<u>राग ज्ञान</u>: - राग संख्या – 9, छायानट, गौड्मल्हार ,बैरागी, बिभास(भैरव थाट का), पूर्वी, मुलतानी, सिंधुरा, हंसध्वनी, रागेश्री

1) उपरोक्त सभी रागों की शास्त्र की जानकारी आरोह- अवरोह- पकड़, पूर्वांग - उत्तरांग का चलन गाकर बताने की क्षमता.
2) राग छायानट, गौड्मल्हार, मुलतानी, पूरियाधनाश्री, बैरागी में से किसी भी 3 रागो में बड़ा ख्याल, छोटाख्याल की गायकी अंग से 20 मिनिट प्रस्तुति की क्षमता.
3) बाकी के रागोमें छोटाख्याल की 5 से 7 मिनिट की ढंगदार प्रस्तुति की क्षमता. तीनताल के अतिरिक्त झपताल, रूपक या द्रुत एकताल में बंदिश करना है.
4) ऊपर दिये हुए रागोमेंसे किसी भी 1 रागमें धमार और 1 राग में ध्रुपद - नोमतोम आलाप और लयकारी के साथ बंदिश की 10 मिनिट गाने की क्षमता.

<u>सूचना</u>: - ध्रुपद – धमार की प्रस्तुति के पहले नोमतोम आलाप करना. उसके बाद ठाय में ढंगदार बंदिश की प्रस्तुति. दुगुन – तिगुण – चौगुण लयकारी करना और तिहाई लेना आना चाहिए. यह सब प्रस्तुति बिना रुके 5 से 7 मिनिट करने की क्षमता.

1) अभी तक के अभ्यासक्रम में से किसी भी 1 राग में चतरंग.
2) राग काफी – खमाज में से किसी भी 1 राग में ठुमरी.
3) राग धानी – जोगिया – पहाड़ी में से किसी भी 2 राग में 1 – 1 बंदिश और राग की जानकारी.
4) इस साल के रागो में से किसी भी 1 राग में तराना.
5) रागों का तुलनात्मक अध्ययन.
6) हंसध्वनी – शंकरा के स्वर लगाव की जानकारी.
7) रागों में श्रुतियों के प्रयोग की जानकारी.

<u>स्वर ज्ञान</u>: - 1) आकार द्वारा राग पहचानने की क्षमता. 2) समान स्वर वाले रागों का आविर्भाव – तिरोभाव करके बताने की क्षमता. 3) रागों में श्रुतिओं का प्रयोग की जानकारी.

<u>ताल ज्ञान</u>: – 1) आड़ाचौताल, सवारी (15 मात्रा की), झूमरा, **पंजाबी** (अध्धा) और धूमाली खंड, मात्रा, बोल के साथ जानकारी.

2) तीनताल और झपताल के ठेके बजाने की क्षमता. तबले के अंग की जानकारी.
3) संवादिनी (हारमोनियम) पर राग देस – यमन की बंदिशे बजाने की क्षमता.

<u>लेखित</u> – 70 अंक

1) **पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या :** – गायक – नायक – वाग्येकार – आक्षिप्तिका – मुखचालन – जातिगायन – उपांग - रागांग – भाषांग - क्रियांग और अभी तक के सभी पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या पूछी जा सकती है.
2) गायक के गुणदोष का वर्णन, आलाप – तान – निर्माण – रागो में अल्पत्व – बहुत्व, समप्रकृतिक राग, आविर्भाव – तिरोभाव, कर्णाटकी संगीत के स्वरो की भिन्नता की जानकारी.
3) गायन में घराना - आग्रा तथा किराना घराना की सामान्य जानकारी और घराने के 3 – 3 कलाकारों के नाम.
4) **जीवन चरित्र और कार्य :** - क) पं॰ रविशंकर ख) पं. शिवकुमार शर्मा ग) पं. विनायकराव पटवर्धन घ) उ. अब्दुल करीम खाँ. इन कलाकारों का सांगीतिक योगदान.
5) बड़ा ख्याल - छोटा ख्याल– धमार – ध्रुपद की बंदिशे (रजाखानी और मसीतखानी गत – वादन के विध्यार्थी के लिए) पं॰ भातखण्डे लिपि में लिपिबद्ध करने की क्षमता.
6) रागो का तुलनात्मक अभ्यास- भैरव – कालिंगड़ा, भीमपलासी – पटदीप, भूपाली – देसकार, दरबारीकानडा – अड़ाना, देस – तिलककमोद, बिहाग – तिलंग.
7) स्वरावलि (स्वरसमूह) से राग पहचानना.
8) ताल लिपिबद्ध करना तथा अभी तक के सभी तालों का तुलनात्मक अध्ययन.

9) आलाप – तान – तिहाई लिखने की क्षमता.
10) उपशास्त्रीय गायन: - दादरा, कजरी, झूला और चैती गायन शैली का संक्षिप्त जानकारी.

नियत कार्य (Assignment) – 30 अंक

नियत कार्य के विषय: - (किन्ही 03 विषय पर लिखना)

1) इस साल के रागों में से किन्ही 01 राग में बड़खयाल और छोटाखयाल पं° भातखण्डेजी की पद्धति में लिपिबद्ध लिखना.
2) इस साल के रागों में से किन्ही 01 राग में ध्रुपद की ठाय, दुगुन, तिगुण और चौगुण या रजाखानी गत पं° भातखण्डेजी की पद्धति में लिपिबद्ध लिखना.
3) इस साल के रागों में से किन्ही 01 राग में धमार की ठाय, दुगुन, तिगुण और चौगुण या रजाखानी गत (झपताल या रूपक या एकताल) पं° भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.
4) धानी-जोगिया-पहाड़ी रागों में से किन्ही 02 राग की माहिती और बंदिश पं° भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.
5) समान स्वर वाले रागों का तुलनात्मक लेखन (छायानट – कामोद, सिंधुरा – काफी, हंसध्वनी - शंकरा).
6) इस साल के सीखे तालों में से आडाचौताल, सवारी और झुमरा तालों की ठाय, दुगुन, तिगुण और चौगुण लिखना.
7) जीवन चरित्र तथा कार्य – किसी भी 01 कलाकार के बारे में लिखना - 1) पं. रविशंकर 2) उ. अब्दुल करीम खाँ 3) पं° विनायकरव पटवर्धन 4) पं. शिवकुमार शर्मा.

नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड – 25 से 30 अंक. बी ग्रेड – 20 से 24 अंक. सी ग्रेड – 15 से 19 अंक.

सूचना: - (1) तानपूरे / इलेक्ट्रॉनिक तानपूरे पर गाने की क्षमता.
(2) अभी तक के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछे जा सकते है.
(3) ध्रुपद – धमार की प्रस्तुति उस गायकी की विशिष्टता को ध्यान में रखकर विद्यार्थी को तैयार करने का प्रयत्न करना होगा.

उद्देश्य: - 1) मौलिक गायन की प्रस्तुति की अपेक्षा रखी है, न की रटा हुआ गायन गाए. रटा हुआ गायन – आलाप – तान विद्यार्थी का दोष है.
2) बड़ाख्याल और छोटाख्याल की प्रस्तुति ढंगदार होनी चाहिए.
3) विध्यार्थी ताल के बोल समझ कर गाए, न की अंगुली की गिनती के सहारे गाए.
4) ठुमरी गायन के बारे में समझाना.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
संगीत विशारद पूर्ण (सातवाँ वर्ष)

कुल अंक – 700. समय: - 1 साल (150 से 180 घंटे का प्रशिक्षण)

क्रियात्मक – 400 अंक, सभागायन – 100 अंक,

क्रियात्मक परीक्षा समय: - 1.00 घंटा और सभागायन का समय अलग.

लेखित क्रियात्मक शास्त्र – 70 अंक, लेखित सैद्धांतिक शास्त्र – 70 अंक

क्रियात्मक नियत कार्य (Assignment) – 30 अंक, सैद्धांतिक नियत कार्य – 30 अंक

लेखित क्रियात्मक शास्त्र परीक्षा समय (प्रश्नपत्र -1) : - 2.30 घंटे.

लेखित सैद्धांतिक शास्त्र परीक्षा समय (प्रश्नपत्र -2): - 2.30 घंटे.

क्रियात्मक – 400 अंक

राग ज्ञान: - **राग संख्या:-** 9, मीयांमल्हार, मियां की तोड़ी, वसंत, रामकली, पूरिया, श्री, मारुबिहाग, ललित, गौड़सारंग.

1) मीयांमल्हार, मियां की तोड़ी, मारुबिहाग, पूर्वी, जयजयवंती, पूरिया, हंसध्वनी इन रागों में से किन्ही 4 रागों का बड़ाख्याल और छोटाख्याल. राग विस्तार – गायकी अंग से 20 मिनिट तक की मौलिक प्रस्तुति.
2) विशारद के रागों में मध्यलय की बंदिशे मौलिक आलाप – तान के साथ करनी है.
3) राग परज – मारवा – हिंडोल की स्वर लगाव की जानकारी और उनके समान स्वर वालें रागों की तुलनात्मक जानकारी.
4) इस साल के रागों में से किसी भी 1 रागमें धमार और 1 राग में ध्रुपद लयकारी के साथ – नोमतोम आलाप के साथ प्रस्तुति, तिहाई लेने की क्षमता और 10 मिनिट तक गाने की क्षमता.
5) बड़ाख्याल और छोटाख्याल में बंदिश के बोल की तिहाई – सरगमकी तिहाई और आकारयुकत तान की तिहाई की क्षमता.
6) किसी भी 1 राग में ठुमरी दीपचंदी ताल में (14 या 16 मात्रा की) गानेकी क्षमता.
7) इस साल के रागो में से किसी भी 1 राग में तराना गायकी की प्रस्तुति.
8) रागों में श्रुतियों के प्रयोग की जानकारी.

स्वर ज्ञान: - 1) विशारद तक के रागों का सम्पूर्ण ज्ञान, उनका तुलनात्मक अध्ययन, उन में आविर्भाव – तिरोभाव करने की क्षमता, आकार तथा तान से गाए रागों की पहचान.
2) गीत की स्वरलिपि बोलने की क्षमता.
3) रागों में श्रुतियुक्त स्वर लगाव की जानकारी.
4) द्रुत लय में आकार की तानें गाने की क्षमता.

ताल ज्ञान: - 1) मत्ततात (खूल्ले बाजवाला) और ब्रह्मताल.
2) प्रचलित तालों के ठेके तबले पर बजाने की क्षमता (एकताल, चौताल, दिपचंदी, धमार).

संवादिनी (हारमोनियम) वादन: - संवादिनी (हारमोनियम) वादन की क्षमता – संगीत प्रवेश परीक्षा तक के सभी रागों की बंदिश संवादिनी (हारमोनियम) पर बजाने की क्षमता.

लेखित सैद्धांतिक शास्त्र - 70 अंक

1) रागो का समयचक्र, वीणा के तार की लंबाई पर शुद्ध स्वरो की स्थापना, कर्णाटकी और उत्तर हिंदुस्तानी रागों की जानकारी, कर्णाटकी तालों की जानकारी.
2) **विचार विस्तार (निबंध)** – 1) संगीत शिक्षण की विभिन्न पद्धति 2) गुरु शिष्य परंपरा लाभ – हानि 3) बंदिश और उसका महत्व 4) गायन में घराने की आवश्यकता 5) रामपुर – सहसवान घराना तथा पटियाला घराना 6) परमेल प्रवेशक राग 7) अध्वदर्शक स्वर (मध्यम) का महत्व.

3) **जीवन चरित्र और कार्य:** - 1) उ. बड़े गुलाम अली खाँ 2) उस्ताद विलायत खाँ (सितार वादक) 3) पं. गोकुलोत्सवजी महाराज 4) विदूषी किशोरी अमोनकर 5) पं. हरिप्रसाद चौरसिया
4) श्रुति के विषय में सामान्य ज्ञान तथा विभिन्न रागो में स्वर लगाव में श्रुति का महत्व.
5) संगीत के इतिहास की जानकारी. संगीत के तीनों कालों के ग्रंथ तथा ग्रंथकारों के विषय में सामान्य ज्ञान.
6) राग – रागिनी पद्धति – पं. भातखण्डे जी के बताए हुए 10 थाटों की जानकारी. रागांग पद्धति के बारे में जानकारी. (पाँच रागांग – तोड़ी, भैरव, मल्हार, बिलावल तथा कल्याण).
7) वाद्यों का संक्षिप्त इतिहास तथा परिचय: - तबला, पखावज, बांसुरी, सितार, सरोद, संवादिनी.
8) स्टाफ नोटेशन की जानकारी – मेजर स्केल - माइनर स्केल की सामान्य जानकारी.

सैद्धांतिक नियत कार्य (Assignment) - 30 अंक (किन्ही 03 विषयों पर लिखना).

1) किसी भी एक घराने की विशिष्टता और उस घरानों में से किसी भी एक गायक – वादक के बारें में विस्तृत लेखन.
2) राग और रस के बारें में लेखन.
3) ग्राम और मूर्छना के बारे में संक्षिप्त लेखन.
4) पं भातखण्डे जी के 10 थाटों के नाम और उनके आश्रय रागों के नाम आरोह, अवरोह एवम राग स्वरूप के साथ लिखना.
5) किसी भी तीन राग जोडियों का तुलनात्मक लेखन –
(क) छायानट – कामोद (ख) जैजैवन्ती – देस (ग) श्री – पूर्वी (घ) मारूबिहाग – बिहाग (च) मारवा – पूरिया (छ) वसंत – परज (ज) मियां की तोडी – मुलतानी.
6) **जीवन चरित्र तथा कार्य** – किसी भी 01 कलाकार के बारे में लिखना - 1) उ. बड़े गुलाम अली खाँ 2) उस्ताद विलायत खाँ (सितार वादक)3) पं. गोकुलोत्सवजी महाराज 4) विदूषी किशोरी अमोनकर 5) पं. हरिप्रसाद चौरसिया.

<u>लेखित क्रियात्मक शास्त्र</u> - 70 अंक

अ) रागों का तुलनात्मक अभ्यास तथा अभी तकके सभी रागों के शास्त्र की विस्तृत जानकारी.
आ) तानो में तिहाई बनाकर लिखने की क्षमता.
इ) संगीत में घराने, ध्रुपद गायन में बानी, ठुमरी के बारे में सविस्तार जानकारी.
ई) स्वरावलि से राग पहचानने की क्षमता.
उ) पिछले साल के अभ्यासक्रम से प्रश्न पूछ सकते है.
ऊ) बंदिशे पं. भातखण्डे लिपी में लिखने की क्षमता.

क्रियात्मक नियत कार्य (Assignment) – 30 अंक (किन्ही 03 विषयों पर लिखना) : -

1) इस वर्ष के रागों में से किसी भी एक राग की मध्यलय की बंदिश (या रजाखानी गत) में आलाप – तान, जिस में स्थाई तथा अंतरा के 2 – 2 आलाप और स्थाई की 2 ताने लिखनी होगी.
2) समान स्वर वालें 5 रागों के आलाप लिखने होंगे°
3) मत्ततताल और ब्रहमताल पं. भातखण्डे लिपि में ठाय, दुगुन और तिगुण लिखें.
4) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में द्रुपद या धमार की ठाय या रजाखानी गत पं° भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.
5) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में झपताल में 10 -10 मात्रा की तान पं° भातखण्डेजी की लिपि में लिपिबद्ध लिखना.
6) इस साल के रागों में से किसी भी 01 राग में बड़ा खयाल की बंदिश या मसीतखानी गत लिपिबद्ध लिखना.
7) तानों के प्रकार – उदाहरण के साथ. (पूरिया, मारवा, वसंत, रामकली रागों में 8 या 16 मात्रा की दो – दो तानें).

<u>संगीत सभा</u>: - (100 अंक)

1) मौखिक परीक्षा में गाये राग के अलावा इस साल के अभ्यासक्रम में से किसी भी एक राग की ढंगदार प्रस्तुति (20 मिनिट).

2) उप विशारद के रागो में से किसी भी 1 राग में मध्यलय में 15 मिनिट की ढंगदार प्रस्तुति.

3) गायन के विद्यार्थी संगत के लिए संवादिनी (हारमोनियम) / सारंगी / वायोलिन वाद्य का उपयोग कर सकते है.

<u>अपेक्षा</u>: - विशारद पूर्ण तक का अभ्यास किया हुआ विद्यार्थी ढंगदार प्रस्तुति में काबिल बने. शास्त्र और गायकी अंग से जानकार हो – उसे परंपरा की जानकारी हो और राग की शुद्धता पर पूर्ण विचार करे. प्रस्तुति में रसभाव का ध्यान रखना.

<u>सूचना</u> - 1) वाद्य के विद्यार्थी को गायन के अभ्यासक्रम को ध्यान में रख कर तैयारी करनी है.

2) ताल संगत जीवंत रहेगी.
3) अभी तक के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछे जा सकते है°
4) तानपूरे / इलेक्ट्रॉनिक तानपूरे पर ही गाना होगा.
5) ध्रुपद – धमार की प्रस्तुति उस गायकी की विशिष्टता को ध्यान में रखकर विद्यार्थी को तैयार करने का प्रयत्न करना होगा°
6) क्रियात्मक परीक्षा के समय आप के चुने हुए नियत कार्य के विषय में से प्रश्न पूछे जा सकते है.
7) नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड – 25 से 30 अंक. बी ग्रेड – 20 से 24 अंक. सी ग्रेड – 15 से 19 अंक.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
संगीत अलंकार – प्रथम (आंठवा वर्ष).

कुल अंक– 700.
क्रियात्मक – कुल 600 अंक (क्रियात्मक परीक्षा – 500 अंक + सभागायन 100 अंक).
लेखित – 100 अंक.
समय: - संगीत विशारद के बाद 1 साल (कम से कम 200 घंटे का प्रशिक्षण).
क्रियात्मक परीक्षा समय: - न्यूनतम 90 मिनिट और सभागायन का समय अलग.
लेखित शास्त्र परीक्षा समय : - 3.00 घंटे.
<u>क्रियात्मक</u> - 500 अंक : -

<u>राग ज्ञान:</u> - बड़े ख्याल की राग संख्या: - 10.

1) **<u>बडाख्याल के राग</u>: - (250 अंक)**
   (1) शुद्धसारंग (2) अहीरभैरव (3) सुरमल्हार (4) मेघमल्हार (5) पूरियाकल्याण (6) जोग (7) गोरखकल्याण (8) कोमलरिषभ आसावरी (9) बिलासखानी तोडी (10) मारवा (11) भूपाल तोड़ी (12) मधमाद सारंग.
   इन में से किन्ही 06 रागो में बडाख्याल - छोटाख्याल पूर्ण रूपसे गायकी अंग से ढंगदार प्रस्तुत करना होगा. साथ में तराना की प्रस्तुति सराहनीय होगी. <u>बाकी के रागोमेंसे 4 रागों में मात्र बडे ख्याल और छोटे ख्याल की बंदिश की</u> गायकी अंग से ढंगदार प्रस्तुति करने की क्षमता होनी चाहिए. बाकी के राग की शास्त्रीय जानकारी होनी चाहिए.

2) **<u>अन्य छोटे ख्याल के राग</u>: - (75 अंक)**
   (1) रामदासी मल्हार (2) शहाना (3) नायकीकानडा (4) वसंतबहार (5) चंद्रकौंस (6) कलावती (7) गुणकली.
   इन में से किन्ही 4 रागों में गायकी अंग से मध्यलय की प्रस्तुति 15 मिनिट तक करनी है. बाकी के रागों की शास्त्रीय जानकारी होनी चाहिए.
   <u>सूचना:</u> - अ) बड़ेख्याल – विलंबित एकताल, विलंबित तीनताल, विलंबित झूमरा, विलंबित तिलवाड़ा में से <u>किसी भी ताल में तैयार कर सकते है</u>. मध्यलय की बंदिश अगर अलग – अलग ताल में तैयार की होगी तो सराहनीय होगी.
   आ) अभ्यासक्रम के रागो के साथ उस के समान स्वर वालें रागों की जानकारी और रागभेद की जानकारी.

3) **<u>ध्रुपद – धमार की प्रस्तुति</u> : - (75 अंक)**
   उपरोक्त 16 रागों में से किन्ही भी 2 रागों में धमार और अन्य 2 रागों में ध्रुपद नोमतोम आलाप के साथ तैयार करना है. विविध लयकारी के साथ बिना रुकावट ढंगदार 15 मिनिट की प्रस्तुति होनी चाहिए. और वह प्रस्तुति उसी गायन शैली में करने की क्षमता होनी चाहिए.

या

3) **<u>उपशास्त्रीय संगीत</u>: - (75 अंक)**
   काफी – पीलू – खमाज इन में से किन्ही 02 रागों में विलंबित लय में – दीपचंदी, जत ताल या चाचर ताल में ठुमरी गायन शैली में ढंगदार 15 मिनिट की प्रस्तुति की क्षमता.
   <u>दादरा, चैती शैली के बारे में विस्तारपूर्ण जानकारी और किसी भी एक शैली की बंदिश प्रस्तुति करनी होगी</u>.

4) **<u>अप्रचलित तालो में प्रस्तुति</u>: - (25 अंक)**
   विद्यार्थी को 9,10 या 11 मात्रा के किसी भी एक ताल में 5 मिनिट की ढंगदार प्रस्तुति करनी होगी. इन तालो की शास्त्रीय जानकारी भी होनी चाहिए.

5) **<u>विद्यार्थी को विशारद तक के अभ्यासक्रम के प्रश्न पूछे जाएंगे</u>. (75 अंक)**

6) <u>शास्त्र</u> : - (लेखित – 100 अंक).

1) ऊपर लिखे सभी रागों की शास्त्रीय जानकारी. उन रागों के मतभेद, समप्रकृति, समआकृति, समस्वराकृति वाले रागों के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए. उन रागों का तुलनात्मक अभ्यास करना है.
2) बंदिश लिपिबद्ध करने की क्षमता होनी चाहिए.
3) राग रचना सिद्धांतो की विस्तृत जानकारी.
4) ताल रचना सिद्धांतो की विस्तृत जानकारी.
5) अभ्यासक्रम के रागों में श्रुति की जानकारी.
6) आपके पसंदीदा किसी भी एक घराने की विशेषता और उस घराने के किसी भी एक कलाकार और उस की गायकी का अभ्यास और उस के विशिष्ट मुद्दे की लेखित स्वरूप में तथा गायन प्रस्तुति के साथ समझाने की क्षमता.
7) **निबंध के विषय** – (क) संगीत और ललित कलाओ का संबंध (ख) लोकसंगीत और समाज (ग) शास्त्रीय संगीत की कल, आज और कल (ध) संगीत विषय में आप के द्वारा पढ़ी हुई किसी एक किताब के बारे में (च) हवेली संगीत.
8) ताल संगत और स्वर संगत में ध्यान में रखने योग्य बातें.
9) संगीत उपयोगी आवाज बनाने की प्रक्रिया की जानकारी और उस की समझ देने की क्षमता.
10) पाश्चात्य संगीत में शुद्ध – विकृत – मेजर माइनोर स्केल – स्टाफ नोटेशन के बारे में विस्तृत जानकारी.
11) अष्टांग गायकी की जानकारी.

7) <u>सभागायन</u> – 100 अंक.

संगीतप्रेमी श्रोताजन समक्ष विध्यार्थी का सभागायन होगा, जिसमे विध्यार्थी को -

क) परीक्षक के पसंदीदा राग में बड़ाखयाल – छोटाख्याल की गायकी अंग से प्रस्तुति - न्यूनतम 30 मिनिट की होगी – 75 अंक,
ख) ध्रुपद – धमार या ठुमरी गायन की भावयुक्त प्रस्तुति 15 मिनिट की होगी – 25 अंक.
ग) गायन के विद्यार्थी संगत के लिए संवादिनी (हारमोनियम) / सारंगी / वायोलिन वाद्य का उपयोग कर सकते है.

<u>सूचना</u>: - 1) ख्याल गायन – ध्रुपद और धमार गायन तथा उपशास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति के बारे में अंत में दी गई सूचना, संगीत गुरु और विद्यार्थी ध्यान करें.

2) ताल संगत जीवंत रहेगी.

3) वाद्य के विद्यार्थी को गायन के अभ्यासक्रम को ध्यान में रख कर तैयारी करनी है.

4) अभी तक के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछे जा सकते है.

5) तानपूरे / इलेक्ट्रॉनिक तानपूरे पर ही गाना होगा. तानपुरा मिलाने की क्षमता होनी चाहिए.

6) ध्रुपद – धमार और ठुमरी की प्रस्तुति उस गायकी की विशिष्टता को ध्यान में रखकर विद्यार्थी को तैयार करने का प्रयत्न करना होगा.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
संगीत अलंकार – पूर्ण (नौवां वर्ष).

कुल अंक– 700. क्रियात्मक –कुल 600 अंक (क्रियात्मक परीक्षा – 500 अंक + सभागायन 100 अंक), लेखित – 100 अंक, लेखित परीक्षा समय : - 3.00 घंटे°

समय: - 1 साल अलंकार 1 के बाद (कम से कम 200 घंटे का प्रशिक्षण).

क्रियात्मक परीक्षा समय: - न्यूनतम 100 मिनिट और सभागायन का समय अलग.

क्रियात्मक - 500 अंक

राग ज्ञान: - बड़े ख्याल की राग संख्या - 10.

1) **बडाख्याल के राग: - (250 अंक)**
   (1) देसी (2) बागेश्रीकानडा (3) जोगकौंस (4) देवगिरि बिलावल (5) मधुकौंस (6) मालगूंजी (7) यमनी बिलावल (8) नटबिहाग (9) मधुवंती (10) श्यामकल्याण (11) नटभैरव (12) भिन्नषडज.
   इन में से किन्ही 06 रागों में बडाख्याल - छोटाख्याल पूर्ण रूपसे गायकी अंग से ढंगदार प्रस्तुत करना होगा. साथ में तराना की प्रस्तुति सराहनीय होगी. बाकी के 4 रागों में मात्र बडे ख्याल और छोटे ख्याल की बंदिश की गायकी अंग से ढंगदार प्रस्तुति करने की क्षमता होनी चाहिए.
   बाकी के राग की शास्त्रीय जानकारी होनी चाहिए.

2) **अन्य छोटेख्याल के राग: - (75 अंक)**
   (1) नंद (2) चारुकेशी (3) वसंतमुखारी (4) सरपरदाबिलावल (5) बरवा (6) काफीकानडा (7) परमेश्वरी
   इन में से किन्ही 4 रागों में गायकी अंग से मध्यलय की प्रस्तुति 15 मिनिट तक करनी है.
   बाकी के रागों की शास्त्रीय जानकारी.
   सूचना: - बड़ेख्याल – विलंबित एकताल, विलंबित तीनताल, विलंबित झूमरा, विलंबित तिलवाड़ा में से किसी भी ताल में तैयार कर सकते है. मध्यलय की बंदिश अगर अलग – अलग ताल में तैयार की होगी तो सराहनीय होगी.

3) **ध्रुपद – धमार की प्रस्तुति : - (75 अंक)**
   उपरोक्त 16 रागों में से किन्ही भी 2 रागों में धमार और अन्य 2 रागों में ध्रुपद नोमतोम आलाप के साथ तैयार करना है. विविध लयकारी के साथ बिना रुकावट ढंगदार 15 मिनिट की प्रस्तुति होनी चाहिए. और वह प्रस्तुति उसी गायन शैली में करने की क्षमता होनी चाहिए.

या

3) **उपशास्त्रीय संगीत: - (75 अंक)**
   पहाड़ी– तिलंग – देस इन में से किन्ही भी 02 रागों में, विलंबित लय में – दीपचंदी, जत ताल या चाचर ताल में ठुमरी गायन की शैली में ढंगदार 15 मिनिट की प्रस्तुति की क्षमता.
   झूला,कजरी, सावन इत्यादि शैली के बारे में जानकारी और किसी भी एक शैली की बंदिश प्रस्तुति करनी होगी.

4) **अप्रचलित तालो में प्रस्तुति: - (25 अंक)**
   विद्यार्थी अलंकार - पूर्ण के रागों में से 15 या 18 मात्रा के किसी भी एक ताल में 5 मिनिट की ढंगदार प्रस्तुति करनी होगी. इस ताल की शास्त्रीय जानकारी भी होनी चाहिए.

5) **विध्यार्थी को विशारद तक के अभ्यासक्रम के प्रश्न पूछे जाएंगे. (25 अंक).**
6) **विध्यार्थी को अलंकार – प्रथम के अभ्यासक्रम के प्रश्न भी पूछे जाएंगे. (50 अंक).**
7) **शास्त्र : - (लेखित – 100 अंक) – प्रश्नपत्र.**
   1) अलंकार तक के सभी रागों की शास्त्रीय जानकारी. उन रागों के मतभेद, समप्रकृति, समआकृति, समस्वराकृति वाले रागों के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए. उन रागों का तुलनात्मक

अभ्यास करना है.

2) बंदिश लिपिबद्ध करने की क्षमता होनी चाहिए.
3) 2 और 3 आवर्तन की तानों की तिहाई लिखने की क्षमता.
4) रागोंकी तुलना – समय, भेद और मतमतांतर के बारे में जानकारी.
5) **निबंध के लिए और विस्तृत जानकारी के लिए विषय**.....(करीब 50 पंक्ति में).
   (क) संगीत की विभिन्न तालीम पद्धतियाँ (उस के गुण – दोष के साथ) (ख) राग की प्रस्तुति – ख्याल गायन की नजर से / ध्रुपद गायन की नजर से (ग) गायन वादन में ताल संगत और उसके लिए ध्यान में रखने योग्य बातें. (घ) मंच प्रदर्शन के लिए ध्यान में रखने योग्य बातें. (च) गायन – वादन में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के प्रयोग. (छ) वॉइस कल्चर – आवाज बनाने की विविध पद्धतियाँ (ज) माइक्रोफोन का उपयोग. (झ) विलंबित ख्याल गायन प्रस्तुत करने के वक्त ध्यान में रखने योग्य बातें.

उपरोकत 05 विषयों को ध्यान में रख कर लिखित प्रश्नपत्र में सवाल पूछे जाएंगे.

8) <u>सभागायन</u> – 100 अंक.

संगीतप्रेमी श्रोताजन के समक्ष विध्यार्थी का सभागायन होगा, जिसमे विध्यार्थी को -

क) परीक्षक के पसंदीदा राग में बड़ाखयाल – छोटाख्याल की गायकी अंग से प्रस्तुति न्यूनतम 30 मिनिट की होगी – 50 अंक,

ख) ध्रुपद – धमार या ठुमरी गायन की भावयुक्त प्रस्तुति 15 मिनिट की होगी – 25 अंक.

ग) क्रियात्मक परीक्षा के समय विध्यार्थी को अभ्यासक्रम के निम्न लिखित किसी एक विषय के पर 5 से 7 मिनिट का व्याख्यान देना होगा **या** क्रियात्मक परीक्षा के समय एक बंदिश के शब्द दिये जाएगे, विध्यार्थी को उस बंदिश को योग्य राग और ताल में स्वरांकन कर के 5 मिनिट की प्रस्तुति करनी होगी.– 25 अंक.
व्याख्यान के विषय: - 1) रागों में श्रुति 2) संगीत शिक्षण पध्धति 3) राग विज्ञान – रागों में स्वर लगाव उदाहरण के साथ 4) स्वर साधना 5) किसी भी एक राग के समान स्वर वाले रागों की चर्चा 6) गायन में ताल का स्थान.

घ) गायन के विद्यार्थी संगत के लिए संवादिनी (हारमोनियम) / सारंगी / वायोलिन वाद्य का उपयोग कर सकते है.

<u>सूचना</u>: - 1) ख्याल गायन – ध्रुपद और धमार गायन तथा उपशास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति के बारे में अंत में दी गई सूचना, संगीत गुरु और विद्यार्थी ध्यान करें.

2) ताल संगत जीवंत रहेगी.

3) वाद्य के विद्यार्थी को गायन के अभ्यासक्रम को ध्यान में रख कर तैयारी करनी है.

4) अभी तक के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछे जा सकते है°

5) तानपूरे / इलेक्ट्रॉनिक तानपूरे पर ही गाना होगा. तानपुरा मिलाने की क्षमता होनी चाहिए.

6) ध्रुपद – धमार और ठुमरी की प्रस्तुति उस गायकी की विशिष्टता को ध्यान में रखकर विद्यार्थी को तैयार करने का प्रयत्न करना होगा.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
संगीताचार्य (दसवां एवम ग्यारहवाँ वर्ष).

क्रियात्मक –कुल अंक 700 अंक (क्रियात्मक परीक्षा – 300 अंक + दो सभागायन 100 + 100 = 200 अंक + प्रशिक्षण – 100 अंक + निबंध - 100 अंक), क्रियात्मक का ज्यादा महत्व रखा है.

समय: - 2 साल, अलंकार पूर्ण उत्तीर्ण होने के बाद (कम से कम 500 घंटे का प्रशिक्षण).

परीक्षा समय: - क्रियात्मक परीक्षा -120 मिनिट (2 घंटे) + दो सभागायन – 60 - 60 मिनिट के (2 घंटे) + प्रशिक्षण – 90 मिनिट (1.30 घंटे).

<u>क्रियात्मक</u> - 300 अंक : -

<u>राग ज्ञान</u> : - 1) राग संख्या : - 10.

<u>बडे ख्याल के राग</u>: -

(1) बहादुरीतोड़ी (2) जयंतमल्हार (3) वसंतीकेदार (4) बिहागड़ा (5) हेमकल्याण (6) देवगंधार (7) कौशीकानडा (8) ललितागौरी (9) जेतश्री (10) भैरवबहार (11) गावती (12) सरस्वती (13) आभोगी (14) अहीरी तोड़ी.

<u>सूचना</u>: - (क) इन में से किन्ही 6 रागों में ढंगदार विस्तृत गायकी 25 से 30 मिनिट करनी होगी. बड़ा ख्याल विलंबित एकताल,विलंबित झपताल,विलंबित झूमरा, विलंबित तिलवाड़ा या विलंबित तीनताल - किसी भी ताल में कर सकते है.

(ख) विध्यार्थी को सभी राग तैयार करने है. परीक्षक की इच्छानुसार रागों की प्रस्तुति करनी होगी.

2) <u>रागांग पद्धति</u>: -

क) विद्यार्थी को पंडित नारायण मोरेश्वर खरे द्वारा बताई रागांग पद्धति और उन के द्वारा बताए गए रागांगों का गहन अभ्यास करना होगा.

ख) अलंकार -पूर्ण तक के सभी रागो को रागांग पद्धति से वर्गीकरण करके, उन रागों मेँ नजर आते रागांग के बारें मेँ बताने की क्षमता.

ग) नीचे दिए गये 10 प्रचलित हर एक रागांग मेँ आने वाले 2 – 2 रागों की गायकी अंग से 20 से 25 मिनिट के लिए ढंगदार प्रस्तुति करनी होगी.

1) भैरव 2) कल्याण 3) बिलावल 4) मल्हार 5) कानडा 6) सारंग 7) बिहाग 8) पूर्वी 9) मारवा 10) तोड़ी.

3) <u>प्रशिक्षण के लिए राग</u>: - (100 अंक)

1) नन्द 2) वसंत 3) तोड़ी 4) भटियार 5) कोमल रिषभ आशावरी.

<u>सूचना</u>: - **1)** प्रशिक्षण की समय अवधि 45 – 45 मिनिट के दो तास रहेंगे. **2)** परीक्षक की इच्छानुसार राग का प्रशिक्षण देना होगा. **3)** प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों को समिति निमंत्रण देगी.

4) <u>सभागायन – 1</u> (100 अंक)

5) <u>सभागायन – 2</u> (100 अंक)

गायन के विद्यार्थी संगत के लिए संवादिनी (हारमोनियम)/सारंगी/वायोलिन वाद्य का उपयोग कर सकते है**.**

6) <u>निबन्ध के विषय</u>: - (100 अंक)

(1) गायन के लिए स्वर साधना और उसकी पद्धतियाँ (2) गायन वादन का प्रशिक्षण और उस समय ध्यान में रखने योग्य बातें (3) गायन वादन की मंच प्रस्तुति (4) गायन वादन में रसभाव की निष्पति (5) गायन वादन कला और शास्त्र (6) राग और बंदिश (7) लोक संगीत शास्त्रीय संगीत की नीव है. (8) संगीत की पुस्तकें और संगीत (9) संगीत सीखने की अर्वाचीन पद्धतियाँ (10) सम प्रकृति और - सम आकृति रागों का तुलनात्मक विवेचन.

<u>सामान्य सूचना</u>

1) अलंकार - पूर्ण तक के सभी रागों का सम्पूर्ण ज्ञान.

2) कम से कम 2 साल के प्रशिक्षण का अनुभव होना जरूरी है.
3) किसी भी एक घराने का और रागांग पद्धति का पूर्ण ज्ञान. (घराने के गायक और बंदिशों के साथ).
4) स्वर रचना का अनुभव – दी गई रचना का तुरंत स्वरांकन करने की क्षमता.
5) हारमोनियम (संवादिनी) / तबला संगत करने की क्षमता.
6) विद्यार्थी को योग्य तरीके से, पद्धतिसर तालीम देने की क्षमता.
7) संगीत के विषय पर व्याख्यान देने की क्षमता.
8) किसी भी राग के पास के / समप्रकृतिक के रागों के बारे में समझाने की क्षमता.
9) ख्याल गायन के अलावा, अन्य किसी गायन वादन के प्रकार की तालीम देने की क्षमता.
(अन्य प्रकार अर्थात द्रुपद – धमार – ठुमरी – टप्पा).
10) 2 सभागायन रहेंगे. प्रत्येक सभागायन 60 -60 मिनिट का होंगा.
11) प्रत्येक सभागायन में एक राग संगीताचार्य अभ्यासक्रम का और एक राग संगीत अलंकार अभ्यासक्रम का प्रस्तुत करना होगा.
12) परीक्षार्थी को एक निबंध प्रस्तुत करना होगा. निबंध मौलिक होना चाहिए. किताब, इंटरनेट या अन्य साहित्य से नकल किया हुआ स्वीकार्य नहीं है. विषय के बारे में विध्यार्थी को अपने खुद के विचार और विवेचन बताना होगा. निबंध स्वलिखित होगा तो 60 पृष्ट का और अगर टाइप किया होगा तो 35 पृष्ट तक का प्रस्तुत करना होगा। (शब्द की संख्या 5000 से 6000 तक की).
13) निबंध के बारे में सभा में 10 से 15 मिनिट का व्याख्यान देना होगा. पावर पॉइंट प्रेजेंन्टेशन स्वीकार्य है.
14) तबला संगत की व्यवस्था विद्यार्थी को करनी है. अगर समिति को पहले से बताएँगे तो संगतकार की व्यवस्था समिति करेगी, जिस का भुगतान नियमानुसार विध्यार्थी को करना होगा.
15) परीक्षा की 4 बेठक होगी. (1) सभागायन -1 (60 मिनिट) (2)सभागायन -2 (60 मिनिट) (3) संगीत की क्रियात्मक परीक्षा – 120 मिनिट (4) संगीत प्रशिक्षण के लिए 90 मिनिट दिए जाएंगे.
16) परीक्षा का आयोजन सूरत केन्द्र में रहेगा. विध्यार्थी को अपनी,अपने गुरुजी की और अपने संगतकारों की रहने - खाने की व्यवस्था करनी होगी. **संगीताचार्य की परीक्षा अक्तूबर – नवंबर सत्र में ही ली जाएगी°**
17) क्रियात्मक परीक्षा के एक मास पहले, विद्यार्थी को निबंध की 3 कॉपी समिति को देनी होगी.
18) निबंध के विषयो की सूची दी गई है.
19) परिणाम आने के बाद, विद्यार्थी और समिति दोनों, निबंध का उपयोग कर सकते है.
20) परीक्षा उत्तीर्ण होने के और वर्ग मिलने के नियम: -
क) विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 अंक सभी परीक्षा में अलग अलग लाने होंगे.
ख) कृपा अंक का लाभ नहीं मिलेगा. ग) विशेष योग्यता – 70 % और उससे ज्यादा.
घ) प्रथम वर्ग 60% या उससे ज्यादा. च) द्वितीय वर्ग 50% या उससे ज्यादा.